

# समन्वित बाल विकास योजनान्तर्गत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में कार्य सन्तुष्टि का अध्ययन (उत्तराखण्ड के विशेष सन्दर्भ में)



## पूनम

शोधार्थिनी,  
प्रौढ सतत शिक्षा एवं प्रसार  
विभाग,  
हे.न.ब.ग. (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय,  
श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखण्ड



## एस0 एस0 रावत

विभागाध्यक्ष,  
प्रौढ सतत शिक्षा एवं प्रसार  
विभाग,  
हे.न.ब.ग. (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय,  
श्रीनगर, गढ़वाल, उत्तराखण्ड

## सारांश

आई0सी0डी0एस0 एक अद्वितीय कार्यक्रम है। यह ऐसा कार्यक्रम है जो अपने में समन्वित मानव संसाधन विकास के तीन प्रमुख घटकों— स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को समाए हुए है। यह निवारक और विकासात्मक कार्यक्रम है जो निर्धनतम व्यक्ति तक पहुंचता है। यह योजना शिशुओं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कुपोषण से मुक्ति दिलाने एवं राष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने को समर्पित है। आईसीडीएस कार्यक्रम के अधीन प्रदत्त सेवाओं के वितरण का केन्द्र बिन्दु आँगनबाड़ी है। महायोजना की व्यवहारिक सफलता निचले स्तर पर नियुक्त आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यसन्तुष्टि पर निर्भर करती है। इस शोध अध्ययन में अधिकांश 52.5% आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी वर्तमान सेवा/कार्य के स्थायीकरण व नियमितकरण तथा वर्तमान में प्राप्त हो रहे वेतन/मानदेय के प्रति आंशिक रूप से सन्तुष्ट पायी गयी। 50% योग्यता के उपयोग से असन्तुष्ट पायी गई। 55% वर्तमान में निर्धारित पदोन्नति के प्रतिमानों के अवसरों से आंशिक रूप से सन्तुष्ट पायी गयी।

**मुख्य शब्द :** आँगनबाड़ी, कार्यकर्ता, आँगनबाड़ी केन्द्र, कार्य सन्तुष्टि, कुपोषण, अनुपूरक, पोषण, टीकाकरण, स्वास्थ्य सेवाएं।

## प्रस्तावना

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतान्त्रिक देश है। वैश्विक चुनौतियों को दृष्टिगत रखते हुए तथा अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में अपना स्थान उन्नतशील राष्ट्रों की पंक्ति में लाने के उद्देश्य से भारत में आधारभूत तथा मानव केन्द्रित विकास पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। यह माना गया है कि आर्थिक विकास की गति बिना सामाजिक विकास के सम्भव नहीं है। निरन्तर सकारात्मक प्रयासों के बावजूद अनेक सामाजिक आर्थिक एवं प्रशासनिक कारणों से भारत में जनस्वास्थ्य की समस्याएं रही हैं। इन्हीं परिस्थितियों के कारण जन्मदर और मृत्युदर, मातृ-शिशु रूग्णतादर में कमी लाने में, कुपोषण, जानलेवा रोगों को संक्रमण एवं विस्तार को कम करने, आवश्यक प्रतिरक्षण के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने सम्बन्धी प्रयासों में आशानुकूल सफलता नहीं मिली है। परिणामतः स्वास्थ्य और पोषण की समस्याएं आज भी बनी हुई हैं। स्वाधीनता उपरान्त स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार एवं उन्हें प्रभावशाली बनाने के लिए राष्ट्रीय एवं राज्य सरकारों द्वारा तेजी से प्रयास किये गये। जनस्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर बनाने के उद्देश्य से महिला और बाल स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया और देश में गत वर्षों में महिला एवं बाल विकास से सम्बन्धित अनेक योजनाएं प्रारम्भ की गईं। 1962 में कुछ राज्यों द्वारा मिड-डे-मिल कार्यक्रम शुरू किया गया। 1970 में विशेष पोषण कार्यक्रम जिसके अर्न्तगत मूल रूप से ग्रामीण पिछड़े एवं छोटे शहरी इलाकों के शिशुओं गर्भवती महिलाओं एवं धात्री माताओं को सहायक पोषण प्रदान किया जाता है, उसकी सीमाओं को विस्तृत किया गया। 1974 में मिड-डे-मिल कार्यक्रम न्यूनतम आवश्यकता का हिस्सा बना।

## समेकित बाल विकास सेवा (आई0सी0डी0एस0) योजना

2 अक्टूबर 1975 में आई0सी0डी0एस0 भारत सरकार द्वारा छोटे रूप में प्रारम्भ किया गया जो कि उत्तर प्रदेश की तीन परियोजनाओं सहित मात्र 33 ब्लाक समाहित करता था। 1990 में वर्ल्ड बैंक से 106 मिलियन यू एस डालर की स्वीकृति प्रदान कर आई0सी0डी0एस0 एक प्रोजेक्ट के रूप में सम्मिलित हुआ जो कि आन्ध्र प्रदेश एवं उड़ीसा को समाहित कर रहा था। 1993 में वर्ल्ड बैंक ने उद्देश्य परिवर्तित किए बिना प्रत्येक प्रदेश की आवश्यकता के अनुरूप 194 मिलियन यू एस डालर का निवेश किया।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अनुसार 31 दिसम्बर 2014 में भारत में 13.42 लाख स्वीकृत आँगनबाड़ी केन्द्र थे। उपलब्ध सूचना के अनुसार 24.58 लाख महिलाएं आँगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायकों के रूप में कार्यरत थीं। 31 दिसम्बर 2014 तक भारत में 12.93 लाख आँगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा 11.65 लाख आँगनबाड़ी सहायिका आँगनबाड़ी केन्द्रों में कार्यरत थीं।

यह योजना शिशुओं गर्भवती एवं धात्री महिलाओं को कुपोषण से मुक्ति दिलाने एवं राष्ट्रीय मानकों को प्राप्त करने को समर्पित है। आई0सी0डी0एस0 कार्यक्रम के अधीन प्रदत्त सेवाओं के वितरण का केन्द्र बिन्दु आँगनबाड़ी है। ये सेवाएं अनुपूरक पोषाहार, स्वास्थ्य प्रतिरक्षण (टीकाकरण), स्वास्थ्य जाँच, पोषण एवं स्वास्थ्य शिक्षा, अनौपचारिक विद्यालय पूर्व शिक्षा, निर्देशन एवं संदर्भन सेवाएं हैं। आई0सी0डी0एस0 एक अद्वितीय कार्यक्रम है। यह ऐसा कार्यक्रम है जो अपने में समन्वित मानव संसाधन विकास के तीन प्रमुख घटकों— स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा को समाए हुए है। यह कई विभागों का समन्वित प्रयास है, स्वास्थ्य निदेशालय, स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करता है। यह निवारक और विकासात्मक कार्यक्रम है जो निर्धनतम व्यक्ति तक पहुँचता है। यह योजना बाल स्वास्थ्य, पाषण एवं शिक्षा के विकास के लिए मील का पत्थर सिद्ध हो सकती है। इस कार्यक्रम की महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि इसमें आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और मददगारों के रूप में निम्न (ग्रास रूट) स्तर पर समुदाय स्तर की महिलाएं कार्यकर्ता नियुक्त की जाती हैं। इस महायोजना की व्यावहारिक सफलता निचले स्तर पर नियुक्त आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यसन्तुष्टि पर निर्भर करती है। वैयक्तिक, प्रशासनिक तथा समुदाय स्तर पर अनेक ऐसी परिस्थितियाँ तथा कारक हैं जो आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यसन्तुष्टि को प्रभावित करती हैं। जिससे निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, कार्य निष्पादन तथा अन्ततोगत्वा वांछित लक्ष्यों की प्रगति पर प्रभाव पड़ता है।

अतः यह ज्ञात करना आवश्यक है कि समेकित बाल विकास योजनान्तर्गत संचालित आँगनबाड़ी केन्द्रों में वर्तमान समय में कार्यरत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में कार्यसन्तुष्टि का क्या स्तर है। वे कौन-कौन से कारक और परिस्थितियाँ हैं जो इस महत्वपूर्ण योजना के कार्यान्वयन में संलग्न कर्मियों की कार्यसन्तुष्टि को प्रभावित करते हैं तथा इन बाधाओं को दूर करने हेतु कौन-कौन से ठोस उपाय किए जा सकते हैं? उत्तराखण्ड की विशिष्ट भौगोलिक, सामाजिक—आर्थिक परिस्थितियाँ को दृष्टिगत रखे हुए पर्वतीय क्षेत्रों में कार्यरत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में कार्यसन्तुष्टि सम्बन्धी यह अध्ययन अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

### कार्यसन्तुष्टि

कार्य सन्तुष्टि को वृहद परिपेक्ष्य में इस रूप में भी देखा जा सकता है कि कार्य का व्यक्तिगत अनुभव आर कार्य के साथ जीवन की गुणवत्ता पर कैसा प्रभाव पड़ता है। स्पेक्टर (1976) ने कार्यसन्तुष्टि के 14 पक्षों को मापक माना है। प्रशंसा, संवाद, सहकर्म, लाभ, कार्यप्रस्थिति, कार्य का स्वरूप, संगठन, व्यक्तिगत विकास, योजनाएं एवं उनका क्रियावयन, पदोन्नति के अवसर, पहचान, सुरक्षा तथा अवलोकन। लॉक (1976) के

अनुसार “कार्यसन्तुष्टि वह सुखद, सकारात्मक व भावनात्मक अवस्था है जो कार्यअनुभव और कार्य के विश्लेषण के परिणामस्वरूप आती है।” कार्यसन्तुष्टि को सामान्य जीवन में कार्य का तनाव, कार्य का नियन्त्रण, गृह कार्य का हस्तक्षेप, कार्य परिस्थिति से सम्बन्ध की कुन्जी के रूप में भी देखा जा सकता है।

### कार्यसन्तुष्टि की प्रकृति

कार्यसन्तुष्टि का अर्थ विभिन्न अभिवृत्तियों के परिणाम से है, जिनका सम्बन्ध कर्मचारियों के व्यवसाय से होता है। इसके साथ-साथ अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए जो अभिवृत्ति वह रखता है, वह कार्यसन्तुष्टि का परिणाम ही होती है। ब्लम तथा नेलर के अनुसार “कार्यसन्तुष्टि कर्मचारी की उन विविध अभिवृत्तियों का परिणाम है, जिन्हें वह अपने कार्य या व्यवसाय से सम्बन्धित अनेक कारकों एवं सामान्य जीवन के प्रति बनाये रखता है।”

कार्यसन्तुष्टि एक प्रकार की अभिप्रेरणा है, जिसके फलस्वरूप कार्यकर्ता अपना कार्य सम्पादित करने पर असीम आनन्द की अनुभूति करता है। यह सन्तोष व्यैक्तिक स्तर पर अनुभूति किया जाता है और किसी भी रूप में उसकी व्याख्या सामूहिक सन्दर्भ में नहीं की जा सकती हैं। मानसिक सन्तुलन कर्मचारी को कार्य करने के लिए प्रेरित करता है, उसके मनोबल को बनाए रखता है। अध्ययन की दृष्टि से यह कह सकते हैं कि कार्यसन्तुष्टि कर्मचारी की एक प्रवृत्ति है जो अनेक कारकों के साथ उसकी कार्यक्षमता को प्रभावित करती है।

### कार्यसन्तुष्टि को प्रभावित करने वाले कारक

कार्य सन्तुष्टि प्रत्येक कर्मचारी की ऐसी व्यक्तिक और सांवेगिक अनुभूति है जिसके समस्त आयामों और जटिलताओं को सरलता से नहीं समझा जा सकता है। अध्ययन की सुविधा की दृष्टि से कार्य सन्तुष्टि के समस्त कारकों को तीन मुख्य वर्गों में विभक्त किया जा सकता है—

#### व्यैक्तिक कारक

लिंग, आयु, बुद्धि, आकांक्षा स्तर, अहम धारणा, शिक्षा, व्यक्तित्व, समायोजन, शैक्षिक तथा वैवाहिक स्थिति, प्रशिक्षण तथा पारिवारिक उत्तरदायित्व इसके अन्तर्गत आते हैं।

#### संगठनात्मक कारक

संगठनात्मक कारकों के महत्वपूर्ण पक्ष हैं—सृजनात्मकता, हाव-भाव व अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, वेतन, पदोन्नति, प्रोत्साहन, सुरक्षा, सहकर्मियों का स्वभाव, अधिकारियों का व्यवहार, उत्तरदायित्व की भावना, कार्य की प्रकृति, व्यवसायिक संरचना, योग्यता बढ़ाने के अवसर तथा संगठन की नीति।

#### सामाजिक कारक

इसके अन्तर्गत अनेक महत्वपूर्ण पक्ष आते हैं—परिवार का प्रकार, पारिवारिक व्यवसाय, पारिवारिक सहयोग, सामाजिक स्तर, योग्यता का उपयोग, आवास से कार्यक्षेत्र की दूरी, भौगोलिक दशाएं तथा व्यवसायिक प्रतिष्ठा।

#### उद्देश्य

1. आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में कार्यसन्तुष्टि का स्तर ज्ञात करना।

2. आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यसन्तुष्टि पर सामाजिक कारकों के प्रभावों का अध्ययन करना।
3. आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यसन्तुष्टि पर प्रमुख संगठनात्मक कारकों के प्रभावों का अध्ययन करना।

### प्रविधि

प्रस्तुत शोध अध्ययन के लिए सोद्देश्य यादृच्छिक प्रतिचयन द्वारा पौड़ी जनपद के 15 विकासखण्डों में से एक विकासखण्ड खिर्सू के अन्तर्गत दो क्षेत्र श्रीनगर तथा श्रोकोट को चयनित किया गया। द्वितीय स्त्रोंतो से प्राप्त सूचि के आधार पर लाटरी विधि द्वारा कुल 106 आँगनबाड़ी केन्द्रों में से कुल 40 केन्द्रों को

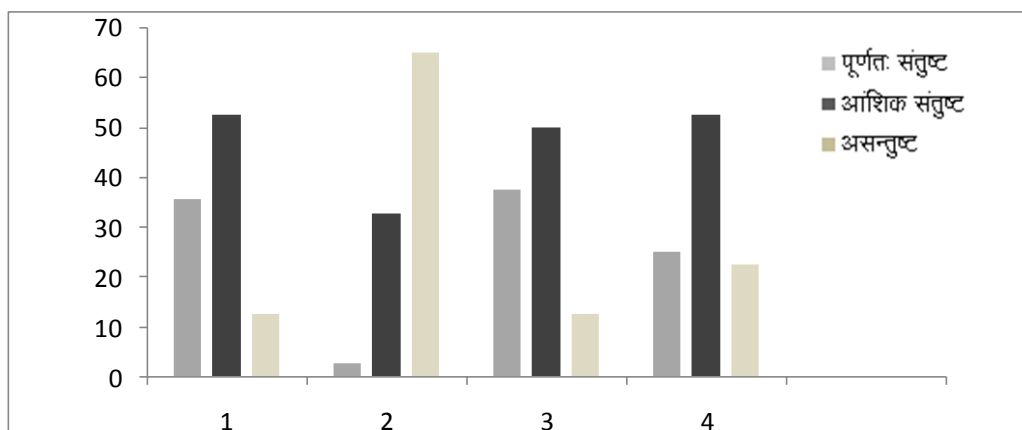
चयनित किया गया। आँकड़ों के संग्रह हेतु शोधार्थी द्वारा निर्मित साक्षात्कार अनुसूचि का प्रयोग किया गया। जिसके अन्तर्गत चार आयाम— व्यक्तिगत सूचनाएं, कार्यसन्तुष्टि का स्तर, संगठनात्मक एवं सामाजिक कारकों के प्रभावों से सम्बन्धित प्रश्न सम्मिलित किए गए। शोधार्थी द्वारा चयनित केन्द्रों में जाकर व्यक्तिगत सम्पर्क द्वारा प्रत्यक्ष रूप से साक्षात्कार के आधार पर आँकड़ों का संग्रह किया गया। संकलित आँकड़ों को श्रेणीबद्ध एवं व्यवस्थित करके सारणीयन एवं चित्रों के आधार पर प्रदर्शित करने के पश्चात उनका विश्लेषण कर साधरण प्रतिशत के आधार पर निष्कर्ष प्राप्त किए गए।

### सारणी -1

#### आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में कार्यसन्तुष्टि का स्तर

कथन	पूर्णतः संतुष्ट		आंशिक संतुष्ट		असंतुष्ट		योग	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
1.क्या आप वर्तमान सेवा (कार्य) के स्थायीकरण व नियमितीकरण के प्रति संतुष्ट (आश्वस्त) हैं ?	14	(35)	21	(52.5)	5	(12.5)	40	(100)
2.क्या आप वर्तमान में प्राप्त हो रहे वेतनभत्ता/मानदेय से संतुष्ट हैं ?	1	(2.5)	13	(32.5)	26	(65)	40	(100)
3.आपकी सेवा (कार्य) सम्बन्धी समस्या के निवारण और निराकरण के लिए विभाग द्वारा जो प्रयास किए जाते हैं क्या आप उनसे संतुष्ट हैं ?	15	(37.5)	20	(50)	5	(12.5)	41	(100)
4.क्या आप कार्यनिष्पादन हेतु विभाग द्वारा प्रदत्त सुविधाओं से संतुष्ट हैं ?	10	(25)	21	(52.5)	9	(22.5)	40	(100)

### चित्र सं० -1



सारणी-1 में दिए कथनों के आधार पर प्राप्त तथ्यों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि—

#### कथन-1

अधिकांश 52.5% आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी वर्तमान सेवा/कार्य के स्थायीकरण व नियमितीकरण के प्रति आंशिक रूप से सन्तुष्ट थी। जबकि 35% कार्यकर्ता पूर्ण रूप से सन्तुष्ट पाई गई। मात्र 12.5% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

#### कथन-2

अधिकांश 65% आँगनबाड़ी कार्यकर्ता वर्तमान में प्राप्त हो रहे वेतन/मानदेय से असन्तुष्ट थी। जबकि 32.5% आंशिक रूप से सन्तुष्ट पाई गयी। मात्र 2.5% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में पूर्णतः सन्तुष्ट थी।

#### कथन-3

50% आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी सेवा सम्बन्धी समस्या के निवारण और निराकरण के लिए विभाग द्वारा किए जाने वाले प्रयासों से आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट थी। जबकि 37.5% कार्यकर्ता पूर्ण रूप से सन्तुष्ट पाई गयी। मात्र 12.5% कार्यकर्ता इस सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

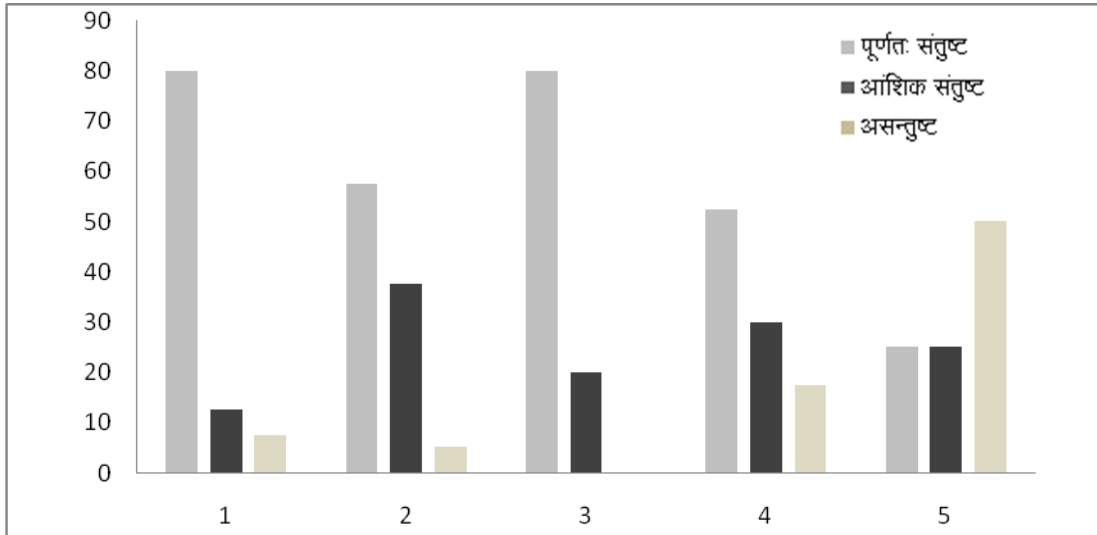
#### कथन-4

52.5% आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्य निष्पादन हेतु विभाग द्वारा प्रदत्त सुविधाओं से आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट थी। जबकि 25% कार्यकर्ता पूर्ण रूप से सन्तुष्ट पायी गई। मात्र 22.5% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

सारणी-2  
ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्यसन्तुष्टि पर सामाजिक कारकों का प्रभाव

कथन	पूर्णतः संतुष्ट	आंशिक संतुष्ट	असंतुष्ट	योग
	संख्या/प्रतिशत	संख्या/प्रतिशत	संख्या/प्रतिशत	संख्या/प्रतिशत
1. क्या आप अपने कार्य निष्पादन में परिवार से प्राप्त हो रहे सहयोग से संतुष्ट हैं?	32 (80)	5 (12.5)	3 (7.5)	40 (100)
2. वर्तमान सेवा/कार्य के प्रति आपके परिवार के दृष्टिकोण से आपसंतुष्ट हैं?	13 (57.5)	15 (37.5)	2 (5)	40 (100)
3. क्या आप अपने कार्यस्थल में कार्य-निष्पादन एवं सुरक्षा हेतु उपलब्ध मानवीय और परिवेशगत परिस्थितियों से संतुष्ट हैं?	32 (80)	8 (20)	—	40 (100)
4. क्या आप सामाजिक दृष्टि से अपने सेवा एवं व्यवसाय से संतुष्ट हैं?	21 (52.5)	12 (30)	7 (17.5)	40 (100)
5. क्या आप इस बात से संतुष्ट हैं कि वर्तमान सेवा/व्यवसाय में आपकी योग्यता का सही उपयोग हो रहा है?	10 (25)	10 (25)	20 (50)	40 (100)

चित्र सं०-2



सारणी-2 में प्रस्तुत कथनों के आधार पर प्राप्त तथ्यों के अलाकन से स्पष्ट होता है कि-

**कथन-1**

अधिकांश 80% ऐसी ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता थी जो अपने कार्य निष्पादन में परिवार से प्राप्त हो रहे सहयोग से संतुष्ट थी। जबकि 12.5% कार्यकर्ता आंशिक रूप से संतुष्ट पायी गई। मात्र 7.5% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असंतुष्ट थी।

**कथन-2**

अधिकांश 57.5% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता का परिवार उनकी वर्तमान सेवा/कार्य व्यवसाय के प्रति दृष्टिकोण से संतुष्ट थे। जबकि 37.5% कार्यकर्ता आंशिक रूप से संतुष्ट पायी गई। मात्र 5.0% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असंतुष्ट थी।

**कथन-3**

अधिकांश 80% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यस्थल में कार्य निष्पादन एवं सुरक्षा हेतु उपलब्ध मानवीय और परिवेशगत परिस्थितियों से पूर्णतः संतुष्ट थी जबकि मात्र 20% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में आंशिक रूप से संतुष्ट थी।

**कथन-4**

अधिकांश 52.5% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता सामाजिक दृष्टि से अपने सेवा एवं व्यवसाय से पूर्णतः संतुष्ट थी। जबकि 30% कार्यकर्ता आंशिक रूप से संतुष्ट पायी गई। मात्र 17.5% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असंतुष्ट थी।

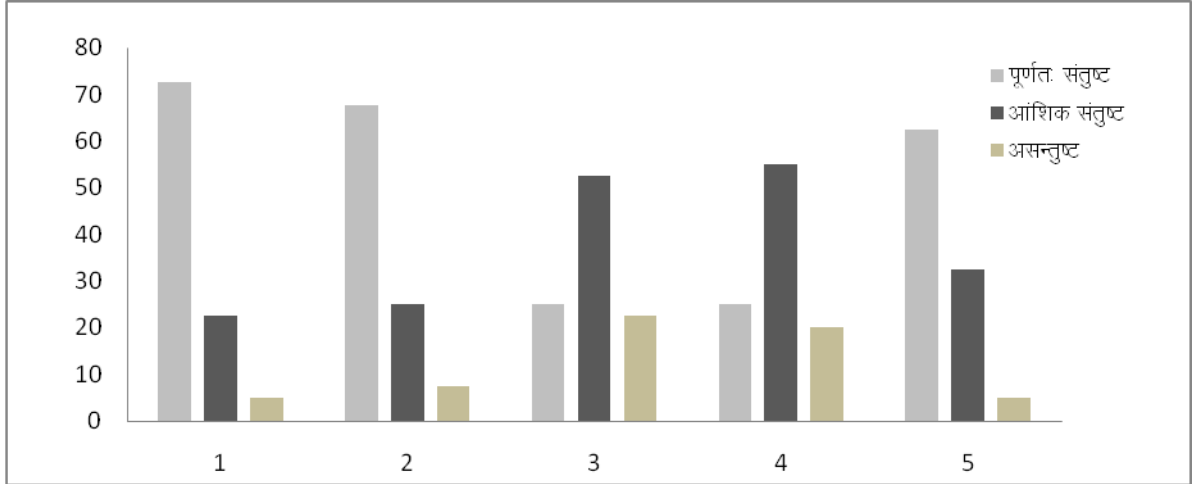
**कथन-5**

वर्तमान कार्यव्यवसाय में ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी योग्यता के उपयोग से 50% असंतुष्ट पायी गई जबकि 25% कार्यकर्ता पूर्णतः संतुष्ट तथा 25% कार्यकर्ता आंशिक रूप से संतुष्ट थी।

सारणी-3  
ऑगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की कार्य सन्तुष्टि पर संगठनात्मक कारकों का प्रभाव

कथन	पूर्णतः सन्तुष्ट	आंशिक सन्तुष्ट	असन्तुष्ट	योग
	संख्या / प्रतिशत	संख्या / प्रतिशत	संख्या / प्रतिशत	संख्या / प्रतिशत
1. क्या आप अपने उच्च अधिकारी के आचार-व्यवहार से सन्तुष्ट हैं ?	29 (72.5)	9 (22.5)	2 (5)	40 (100)
2. क्या आप अपने कार्य क्षेत्र में कार्यरत सहकर्मियों के आचार-व्यवहार से सन्तुष्ट हैं ?	27 (67.5)	10 (25)	3 (7.5)	40 (100)
3. क्या आप अपनी संस्था द्वारा अपनी सेवा सम्बन्धी व्यावसायिक योग्यता बढ़ाने हेतु दिए जाने वाले अवसरों से सन्तुष्ट हैं ?	10 (25)	21 (52.5)	9 (22.5)	40 (100)
4. क्या आप वर्तमान में निर्धारित पदोन्नति के प्रतिमानों और अवसरों से सन्तुष्ट हैं ?	10 (25)	22 (55)	8 (20)	40 (100)
5. क्या आप काय निष्पादन के अन्तर्गत अपनी सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति सम्बन्धी स्वतन्त्रता से सन्तुष्ट हैं ?	25 (62.5)	13 (32.5)	2 (5)	40 (100)

चित्र सं०-3



सारणी-3 में प्रस्तुत कथनों के आधार पर प्राप्त तथ्यों के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि-

**कथन-1**

अधिकांश 72.5% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने उच्चतर अधिकारी के आचार-व्यवहार से पूर्णतः सन्तुष्ट थी। जबकि 22.5% कार्यकर्ता आंशिक रूप से सन्तुष्ट पायी गई। मात्र 5.0% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

**कथन-2**

अधिकांश 67.5% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यक्षेत्र में कार्यरत सहकर्मियों के आचार-व्यवहार से पूर्णतः सन्तुष्ट थी। जबकि 25% कार्यकर्ता आंशिक रूप से सन्तुष्ट पायी गई। मात्र 7.5% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

**कथन-3**

अधिकांश 52.5% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता अपनी सेवा सम्बन्धी योग्यता बढ़ाने हेतु विभाग द्वारा प्रदत्त सुविधाओं के प्रति आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट थी। जबकि 25% कार्यकर्ता पूर्ण रूप से सन्तुष्ट पायी गई। मात्र 22.5% कार्यकर्ता इस सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

**कथन-4**

अधिकांश 55% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता वर्तमान में निर्धारित पदोन्नति के प्रतिमानों के अवसरों से आंशिक रूप से सन्तुष्ट थी। जबकि 25 कार्यकर्ता पूर्ण रूप से सन्तुष्ट पायी गई। मात्र 20% कार्यकर्ता उक्त सम्बन्ध में असन्तुष्ट थी।

**कथन-5**

अधिकांश 62.5% ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता थी जो अपने कार्य निष्पादन के अन्तर्गत अपनी सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति सम्बन्धी स्वतन्त्रता से पूर्ण रूप से सन्तुष्ट थी। जबकि 32.5% कार्यकर्ता आंशिक रूप से सन्तुष्ट पायी गई। मात्र 5.0% कार्यकर्ता इस सम्बन्ध में असन्तुष्ट पायी गई।

**निष्कर्ष**

अधिकांश ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता भविष्य में अपने चूँकि पद के स्थायीकरण के प्रति आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट हैं। चूँकि ऑगनबाड़ी योजना के अन्तर्गत ऑगनबाड़ी कार्यकर्ता का वर्तमान पद अस्थायी है तथा नियमित वेतनमान पर आधारित ना होकर मानदेय आधारित है।

1. अधिकांश आँगनबाड़ी कार्यकर्ता वर्तमान वेतनमान/मानदेय से असन्तुष्ट हैं। चूंकि इस योजना के प्रारम्भ से ही मानदेय में क्रमिक वृद्धि होती रही है किन्तु अन्य समकक्ष योजनाओं में कार्यरत कार्यकर्ताओं को प्राप्त हो रहे वेतन की तुलना में एवं वर्तमान परिपेक्ष्य में मूल्यवृद्धि व दैनिक जीवन की आवश्यकताओं के मद्देनजर यह मानदेय राशि कार्यकर्ताओं की दृष्टि से कम है।
2. विभाग द्वारा आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सेवा सम्बन्धी समस्या के निवारण और निराकरण के लिए किए जाने वाले प्रयासों से आधी कार्यकर्ता आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट हैं। चूंकि यह ऐसी योजना है जिसमें समन्वित मानव संसाधन विकास के तीन प्रमुख घटक—स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा समाहित हैं। यह कई विभागों का समन्वित प्रयास तथा निवारक और विकासात्मक कार्यक्रम है इसका सफल कार्यान्वयन सूदृढ़ अन्तःक्षेत्र क सहसम्बन्ध और समेकन की समस्या हैं। अतः विभिन्न विभागों द्वारा संचालित विकासात्मक कार्यक्रमों में समन्वय का अभाव रहता है जिस कारण आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के प्रयासों का समुचित आंकलन नहीं हो पाता है।
3. अधिकांश आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्य निष्पादन हेतु संस्था/विभाग द्वारा प्रदत्त सुविधाओं से आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट हैं। आई0सी0डी0एस0 एक विकासोन्मुख परियोजना है इस योजना के अन्तर्गत आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को वर्दी, पुरस्कार, मातृत्व अवकाश, बीमा कवर आदि सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। चूंकि यह कार्यक्रम समन्वित दृष्टिकोण का अनुसरण करता है इसकी सफलता अंततः कार्यक्रम में समुदाय की सहभागिता (कार्यक्रम का अंगीकरण, सेवाओं के वितरण में सहायता, कार्यक्रम के कार्यक्रम पर प्रति पुष्टि और पर्यवेक्षण) की मात्रा पर निर्भर करता है।
4. अधिकांश कार्यकर्ता उनके कार्य में पारिवारिक सहयोग, उनके कार्य के प्रति पारिवारिक दृष्टिकोण, केन्द्र में कार्य परिस्थितियों तथा सामाजिक दृष्टि से अपने कार्य एवं व्यवसाय के प्रति पूर्णतः सन्तुष्ट हैं चूंकि अधिकांश कार्यकर्ता (72.5%) विवाहित हैं तथा 30 से 40 वर्ष और उससे अधिक आयु वर्ग की हैं। अधिकांश कार्यकर्ता स्थानीय होने के कारण परिवार अथवा परिवार से कम दूरी पर ही कार्यरत हैं। इसलिए पारिवारिक और सेवा सम्बन्धी दायित्वों के मध्य सामंजस्य रहता है।
5. अधिकांश कार्यकर्ता वर्तमान काय व्यवसाय में उनकी योग्यता के उपयोग से असन्तुष्ट हैं। चूंकि आँगनबाड़ी कार्यकर्ता मानती हैं कि उनकी शैक्षिक योग्यता और कार्यकुशलता के अनुरूप वर्तमान कार्य/सेवा में उपयोग नहीं हो पा रहा है।
6. अधिकांश आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने उच्चतर अधिकारी एवं अपने कार्यक्षेत्र में कार्यरत सहकर्मियों के आचार—व्यवहार से पूर्णतः सन्तुष्ट हैं। चूंकि आई0सी0डी0एस0 एक समन्वित कार्यक्रम है तथा अधिकारियों एवं सहकर्मियों के समन्वय के बिना इस योजना का सफल कार्यान्वयन सम्भव नहीं है। अतः

कार्यों के कार्यान्वयन में उच्च अधिकारियों एवं सहकर्मियों के मध्य आपसी सामंजस्य एवं उचित तालमेल रहता है।

7. अधिकांश आँगनबाड़ी कार्यकर्ता संस्था द्वारा अपनी सेवा सम्बन्धी योग्यता बढ़ाने हेतु दिए जाने वाले अवसरों से आंशिक रूप से ही सन्तुष्ट थी। चूंकि योग्यता बढ़ाने की प्रक्रिया जटिल है और केन्द्र में कार्यरत रहने के लिए इन्टरमीडिएट योग्यता ही पर्याप्त है। योग्यता में वृद्धि पदोन्नति के अवसर बढ़ाती है लेकिन पदोन्नति के लिए समय सीमा अधिक (10 वर्ष) है और आयु सीमा निर्धारित है अधिकांश कार्यकर्ता 30-40 आयु वर्ग के हैं।
8. अधिकांश आँगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यनिष्पादन के अन्तर्गत अपनी सृजनात्मकता और अभिव्यक्ति सम्बन्धी स्वतन्त्रता से पूर्ण रूप से सन्तुष्ट हैं। चूंकि आँगनबाड़ी कार्यकर्ता ही केन्द्र की मुख्य धुरी होती हैं। वे केन्द्र का संचालन निर्धारित प्रविधि और प्रक्रिया के आधार पर करती हैं। अधिकांश कार्यकर्ता स्थानीय होने के कारण सामुदायिक स्तर पर अभिव्यक्ति और अन्तर्क्रिया में किमी प्रकार का अवरोध महसूस नहीं करती हैं।

#### सुझाव

1. योजना के अन्तर्गत पर्याप्त और औचित्यपूर्ण मानदेय की व्यवस्था की जानी चाहिए यात्रा भत्ता तथा अन्य सुविधाएं दी जानी चाहिए तथा स्थायी रूप से समायोजन हेतु ठोस उपाय किए जाने चाहिए।
2. यह योजना विश्व के सबसे व्यापक और सबसे अनोखे कार्यक्रमों में से एक का प्रतिनिधित्व करती है। ऐसे कार्यक्रम के संचालन में अनेक समस्याएं भी सामने आती हैं जिसका निवारण कार्यकर्ता अकेले नहीं कर सकते हैं। अतः समाज, अधिकारी, पर्यवेक्षक, सहायक एवं अन्य कार्यकर्ताओं को समस्याओं के निवारण समन्वित रूप से करने हेतु जागरूक और सक्रिय बनाना चाहिए।
3. आँगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट कार्य निष्पादन/बेहतर सेवा के लिए प्रोत्साहन, इनसेंटिव, पुरस्कार, तथा आवश्यक परिस्थितियों में आकस्मिक अवकाश सुविधा दी जानी चाहिए।
4. योग्यता बढ़ाने के पर्याप्त अवसर मिलने चाहिए। योग्यता के बढ़ाने के फलस्वरूप कार्यकर्त्री को सेवा सम्बन्धी प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।
5. पदोन्नति के प्रतिमानों में परिवर्तन लाना चाहिए जैसे—आयु सीमा बढ़ा में वृद्धि की जानी चाहिए, पदोन्नति की समय सीमा कम की जानी चाहिए अथवा पदोन्नति के लिए निर्धारित प्रतिशत को बढ़ाया जाना चाहिए।
6. सेवा सम्बन्धी प्रशिक्षण प्राप्त कार्यकर्ताओं की पदोन्नति समय सीमा कम की जानी चाहिए। अथवा उन्हें अन्य प्रकार के लाभ भी दिए जाने चाहिए।

#### सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. गीता पुष्प शॉ, जॉयस शीला शॉ प्रसार शिक्षा, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा—2 पृष्ठ 299—304

**P: ISSN NO.: 2321-290X**

**RNI : UPBIL/2013/55327**

**Shrinkhla Ek Shodhparak Vaicharik Patrika  
Vol-III\* Issue-VI\* February-2016**

**E: ISSN NO.: 2349-980X**

2. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मानविकी विद्यापीठ, ग्रामीण सामाजिक विकास आर0डी0डी0-4, पृष्ठ 26-27, 60-74
3. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय मानविकी विद्यापीठ, ग्रामीण बाल विकास-2 आर0डी0डी0-4, पृष्ठ 60-74
4. Government of India Ministry of Women and Child Development.
5. <http://www.icdskalakarm.in>
6. <http://www.icds.com>
7. <http://www.awws.com>
8. job Satisfaction- wikipedia, The free encyclopedia